

बीड़ी स्त्री. (तद्.) 1. एक विशेष प्रकार के पत्तों में तंबाकू लपेटकर बनाई गई धूम्र पेय वस्तु 2. पान की छोटी गिलौरी 3. एक प्रकार का चूड़ीनुमा गहना 4. गड़ड़ी।

बीतना अ.क्रि. (तद्.) किसी घटना का अतीत काल में चला जाना, समाप्त हो जाना, अंत हो जाना, गुजर जाना जैसे- जो बीत गई सो बात गई।

बीदर पुं. (तद्.) 1. महाराष्ट्र प्रदेश का एक क्षेत्र, नगर 2. ताँबे और जस्ते से मिली धातु, यह धातु बीदर में उत्तम कोटि की होने के कारण 'बीदर' नाम में समाहित हो गई, बीदर में बनायी जाने वाली मिश्रधातु को बीदरी धातु कहते हैं।

बीन स्त्री. (तद्.) 1. एक वाद्य विशेष जो भोपा लोग भिक्षाटन के समय बजाते हैं 2. सपेरों का वाद्य यंत्र या महुअर 3. वीणा।

बीफे पुं. (तद्.) सप्ताह के दिनों में पाँचवाँ दिन बृहस्पतिवार, गुरुवार।

बीबी स्त्री. (फा.) 1. पुरुष की पत्नी, जोरु, भार्या 2. भले घर की महिला 3. समाज में स्त्री के लिए प्रयुक्त किया जाने वाला एक प्रकार का सम्माननीय संबोधन।

बीभत्स पुं. (तत्.) काव्य. काव्य के नौ रसों में से एक सातवाँ रस 'जुगुप्सा' इसका स्थायी भाव माना गया है वि. 1. भयानक 2. घृणित 3. भद्दा 4. बर्बर।

बीमांकक पुं. (फा.+तत्.) वाणि. बीमा की दृष्टि से जोखिम व अवधि के अनुसार लाभ आदि की गणना करने वाला। actuary

बीमा पुं. (फा.) 1. जीवन में किसी प्रकार का जोखिम, दुर्घटना, मृत्यु, चोरी आदि की संभावना होने पर तत्संबंधी आर्थिक हानि पूरी करने वाली वह योजना जिसमें धन की कुछ किश्तें निश्चित अवधि में जमा करने की व्यवस्था होती है 2. डाक द्वारा भेजा जाने वाला वह पत्र या पार्सल जिसकी संभावित क्षतिपूर्ति की जिम्मेदारी डाकखाने ने ली हो। insurance

बीमाकृत वि. (फा.+तत्.) वाणि. जिस व्यक्ति, वस्तु, वाहन आदि का बीमा किया जा चुका हो।

बीमार वि. (फा.) 1. रोगग्रस्त, रुग्ण, मरीज 2. किसी शारीरिक या मानसिक रोग या कष्ट से पीड़ित व्यक्ति, अस्वस्थ व्यक्ति।

बीमारी स्त्री. (फा.) 1. शरीर में होने वाला कोई रोग, पीड़ा आदि पर्या. व्याधि, मर्ज जैसे- रक्तचाप, मधुमेह, शलरोग आदि 2. लाक्ष. कोई बुरी आदत उदा. जुआ खेलने की बीमारी, चुगली करने की बीमारी।

बीय/बीया वि. (तद्.) पहले से अगला, दूसरा बीजा पुं. बीज।

बीर वि. (तत्.) 1. जो पराक्रम एवं साहस में विशेष रूप में अलग हो 2. बहादुर, बलवान, शूर, बीर पुं. दे. वीर स्त्री. 1. स्त्रियों में अपनी सखी के लिए प्रयुक्त किया जाने वाला प्यार भरा संबोधन 2. सहेली 3. बिरिया, कान में पहनने का एक सुंदर आभूषण।

बीर-बहूटी स्त्री. (तत्.) 1. बरसात में दिखाई देने वाला, गहरे लाल रंग का छोटा रँगने वाला एक सुंदर कीड़ा 2. वीर-बहूटी, इंद्रवधू।

बील वि. (तद्.) 1. जो अंदर से खाली या पोला हो, बिल, खोखला 2. पुं. नीची भूमि।

बीस वि. (तद्.) 1. जो संख्या में उन्नीस से एक अधिक हो तथा इक्कीस से एक कम हो जैसे- हाथ-पैरों के बीस नाखून 2. तुलनात्मक श्रेष्ठता जैसे- यह वस्त्र उत्तम, श्रेष्ठ गुणवत्ता में उससे उन्नीस नहीं बल्कि बीस है स्त्री. बीस की संख्या या अंक।

बीहड़ वि. (तद्.) 1. विकट, भीषण, जो स्थान सम न हो या टेढ़ा-मेढ़ा, ऊँचा-नीचा हो, ऊबड़-खाबड़, विषम 2. बहुत कठिन जैसे- बीहड़ मार्ग पुं. 3. बहुत घना वन, जंगल।

बुंदा पुं. (तद्.) 1. स्त्रियों के द्वारा कान में पहना जाने वाला एक हल्का गहना या आभूषण, लोलक 2. माथे पर लगाने की एक सुंदर बड़ी टिकली।